



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Astikaben Jigneshbhai Patel

Donated her: Heart, Lungs, Kidney, Liver & Corneas

Date:- 15/12/2021

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

First case in Gujarat

Heart transplant for 17-yr-old post Covid-19

The girl had been suffering from viral myocarditis caused by multi-system inflammatory syndrome; undetected Covid-19 suspected to have led to the condition; she received the heart from Astika Patel, 43, a Navsari resident

Brendan Dabhi
brendahmedabadmirror.in
TWITTER @BrendanMIRROR

In the first recorded case of a teen requiring a heart transplant for organ failure (viral myocarditis) caused by Multi-System Inflammatory Syndrome (MIS-C), a 17-year-old girl from Ahmedabad received the heart of Astika Patel, a 43-year-old woman from Navsari. MIS-C is witnessed in paediatric patients after undetected Covid infection.

The condition of the teen, daughter of a general practitioner from Ahmedabad, is indicative of severe effects of MIS-C on children, adolescents.

In this case, the patient's entire family had tested positive for Covid in May 2021. While she had tested negative for the viral infection, the realisation of undetected infection



Astika Patel's heart being taken for transplant surgery

came only when she was detected with MIS-C a month later after her health deteriorated. MIS-C is also known as Paediatric Multi-system

Inflammatory Syndrome (PMIS).

She was admitted to a private hospital in Ahmedabad and treated for almost a month before being dis-

charged. But the Class 11 student's condition deteriorated again and she was readmitted to the hospital in July, August and September this year.

An MRI scan at CIMS Hospital revealed that most of the myocardium (heart wall) was dead and the rest was still severely inflamed. Dr Dhiren Shah, CIMS Director and cardiothoracic surgeon, said, "The inflammation was clearly visible on MRI and suggested no chances of recovery. Usually viral myocarditis is not fatal but this patient was an outlier. We thus put her on the waiting list for a transplant."

With her heart function dropping from 25% to 12% in four months, the teen with blood group B+ve was listed as a high priority patient. Besides, she weighed only 36 kg.

"We could not transplant the heart of a 30-70 kg donor in the body of a

36 kg recipient, so we waited," said Dr Shah.

On December 15, an opportunity arose when the family of 43-year-old Navsari resident Astika Patel decided to donate her organs in Surat. Weighing around 40 kg and with the same blood group as the teen, donor Astika Patel had suffered a brain haemorrhage following a mishap.

After Patel's family consented to donate her organs following counselling by Donate Life NGO, Dr Dhawal Naik and others rushed to Surat from Ahmedabad to retrieve the organ.

Patel's heart went to the teen, lungs to a patient in Mumbai, kidneys and liver to patients at IKDRC in Ahmedabad and eyes to the Lokdrashti Eye Bank in Surat.

This was the 23rd intra-state heart transplant in Gujarat and 55th heart donation from the state.

43-year-old's heart keeps nCov slayer's hopes alive

TIMES NEWS NETWORK

Surat: A road accident in Navsari snatched away 43-year-old **Astika Patel's** life,



but in her death the brain dead woman breathed new life into seven others. The family decided to donate the vital organs after Patel was declared brain dead on Tuesday. With this, the Diamond City donated the 39th heart and 13th pair of lungs.

Resident of Bhinar village of Navsari, Patel was riding pillion on the motorcycle with her husband while going to Navsari on Sunday when she fell off and suffered serious head injuries. She was shifted to a Navsari hospital and later to the city where she was declared brain dead.

"My family is incompetent to donate anything," said her husband, Jignesh Patel, a driver in Navsari BAPS



Heart transplantation was done at CIMS hospital in Ahmedabad

temple. He said that with the inspiration of Mahant Swami, chief saint of BAPS, the family could donate his wife's organs at least as they believe organ donation is also akin to worship.

"Heart and a pair of lungs were transported to Ahmedabad and Mumbai, respectively by air. Liver and kidneys were sent to IKDRC in Ahmedabad by road," said Nilesh Mandlewala, founder of Donate Life that coordinated the organ donation.

Lungs transplantation was done at Masina hospital,

Mumbai, while the heart was transplanted on a 17-year-old girl at CIMS hospital in Ahmedabad whose heart condition worsened after Covid-19 infection. Patel's corneas were donated to Lok Drashti Chakshu Bank.

Till date, Donate Life has been able to provide 898 vital organs in the country and across the globe as well by donating 414 kidneys, 176 livers, 8 pancreases, 39 hearts, 26 pairs of lungs, 318 corneas besides two hands making it altogether 981 organs and tissue.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ब्रेनडेर महिला के अंगदान से 7 लोगों को नई जिंदगी मिली, दिल, फेफड़े, किडनी, लीवर और आंखें दान किए

**महिला के ब्रेनडेर होने के
बाद परिवार ने अंगदान
करने का फैसला किया**

लोकतेज संवाददाता

सूरत। अंगदान करने वाले शहर के रूप में पहचान बना चुके सूरत शहर से अंगदान का एक और मामला सामने आया है जो। जिसमें ब्रेन डेर अस्तिका जिग्नेशभाई पटेल उम्र 43 के परिजनों ने डोनेट लाइफ संस्था के जरिए दिल, फेफड़े, किडनी, लीवर और आंखें दान कर दिए हैं। सात लोगों को जिंदा कर मानवता की खुशबू फैलाकर समाज को नई दिशा दिखाने का काम किया है। सूरत के आईएनएस अस्पताल से अहमदाबाद तक की 277 किलोमीटर की दूरी को 100 मिनट में काटकर हृदय प्रत्यारोपण अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल में अमरेली के 17 वर्षीय छात्र में किया गया है। मुंबई तक 295 किमी की दूरी 110 मिनट में तय करने के बाद मुंबई के निवासी 56 वर्षीय महिला में मसीना अस्पताल में फेफड़े का प्रत्यारोपण किया।

जिग्नेशभाई पटेल, राजपूत फालियु, भिनार गांव, जलालपुर, जी. नवसारी निवासी और नवसारी बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में



चालक के रूप में कार्यरत हैं। 12 दिसंबर को वह अपनी पत्नी अस्तिका के साथ मोटरसाइकिल से नवसारी अपने रिश्तेदारों से मिलने जा रहा था।

उसकी पत्नी अस्तिका भीनार नवसारी रोड रेलवे ब्रिज के पास सगड़ा के पास मोटरसाइकिल से गिर गई और सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोश हो गई। उन्हें नवसारी के यशफीन अस्पताल ले जाया गया जहां उनका सीटी स्कैन कराया गया जिसके रिपोर्ट में ब्रेन हैमरेज का खुलासा हुआ। वहां प्राथमिक उपचार देने के बाद परिजनों ने उसे न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट डॉ. मनोज सत्यवाणी के इलाज में आईएनएस अस्पताल सूरत में भर्ती कराया। मंगलवार 14 दिसंबर को आईएनएस अस्पताल के डॉक्टरों ने

अस्तिका को ब्रांडेर घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और अस्तिका के परिवार को अंगदान का महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। अस्तिका के पति जिग्नेश ने कहा, हम एक सामान्य परिवार से ताल्लुक रखते हैं। जीवन में हम कुछ भी दान नहीं कर सकते हैं आज, जब मेरी पत्नी अस्तिका ब्रेन डेर हो गई है, तो उसके अंग दान करके अपने अंग विफलता रोगियों को फिर से जीवंत करें। उन्होंने कहा हम अक्सर अखबारों में अंगदान के बारे में पढ़ते हैं, यह एक ईश्वरीय कार्य है। हमने यह निर्णय बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के प्रमुख पी. पूज्य महंतस्वामी महाराज के आशीर्वाद और प्रेरणा से लिया। उसका बेटा वंदन कक्षा-10 में पढ़ता है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

अंगदान • बाइक से गिरने से ब्रेनडे के गई थी अस्तिका, परिजनों ने किया अंगदान, 7 को नया जीवन

कोली समाज की 43 वर्षीय अस्तिका का दिल 17 साल की छात्रा व लिवर युवक में ट्रांसप्लांट

हेल्प रिपोर्टर | सूरत

नवसारी की कोलीपटेल समाज की 43 वर्षीय ब्रेनडे महिला के परिजनों ने उसका हृदय, मैफ़डे, किडनी, लीवर और आँख सहित

अंग दान कर किए। इससे जरूरतमंद 7 लोगों को नया जीवन मिला है। लिवर पालीतान निवासी 45 साल के व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। दिल

अपरेली निवासी 17 वर्षीय छात्रा में ट्रांसप्लांट किया गया। छात्रा कोरोना की दूसरी लहर में संक्रमित हो गई थी। जिसके बाद से दिल की धूपिंग मात्र 12 प्रतिशत तक रह गई। पिछले 1 माह से अस्पताल में भर्ती है। ऐसे में हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद छात्रा को नया जीवन मिला है। वहीं फेफ़डे मूँबई निवासी 56 वर्षीय महिला में ट्रांसप्लांट किए गए। महिला पलमोनरी फाइब्रोसिस से पीड़ित थी। फेफ़डे ने काम करना बंद कर दिया था। आर्टिफिशियल लाइम जिसे एकमो सोपोट कहते हैं, पर इलाज ले रही थी। दान में मिली दोनों किडनी में से एक किडनी बोटाद निवासी 32 वर्षीय महिला और दूसरी किडनी मेहसाणा निवासी 25 वर्षीय महिला में सफलतापूर्वक ट्रांसप्लांट की गई।



नवसारी रोड रेलवे ब्रिज पर बाइक से नीचे गिरने से घायल हो गई थी महिला

जानकारी के अनुसार नवसारी जलालपुर राजपूत फलिया निवासी कोली पटेल समाज की 43 वर्षीय अस्तिका पटेल अपने पति जिनेश के साथ 12 दिसंबर को बाइक से रिश्टेदा के यहां जाने के लिए निकली थी। जब वह नवसारी रोड रेलवे ब्रिज के ऊपर से गुजर रहे थे, तभी अस्तिका बाइक से नीचे गिर गई और सिर में गंभीर लगाने से तत्काल नवसारी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिटी स्कैन में ब्रेन हेमरेज

को पुष्टि हुई। प्राथमिक इलाज के उद्देश्य अस्पताल ले जाया गया। जहां न्यूरो फिजीशियन डॉ. मनोज सत्यवानी ने इलाज शुरू किया। 14 दिसंबर को न्यूरो सर्जन डॉ. अशोक पटेल, न्यूरो फिजीशियन डॉक्टर मनोज और उनकी टीम ने महिला को ब्रेन डेर्ड घोषित कर दिया। अस्पताल ने इसकी जानकारी डोनेट लाइफ के प्रमुख निलेश मांडलेवाला को दी। उनकी टीम ने अस्पताल पहुंचकर परिजनों से अंगदान के बारे में बताया।

फेफ़डे 270 किमी की दूरी 110 मिनट में तय कर मूँबई भेजे गए

सूरत पुलिस द्वारा ग्रीन कॉर्डोर बनाकर अंगदान अहमदाबाद- मूँबई भेजने की कार्यवाही की गई। सूरत से 270 किलोमीटर की दूरी 100 मिनट में पूरी कर हार्ट अहमदाबाद भेजा गया। वहीं मूँबई के लिए 295 किलोमीटर की दूरी 110 मिनट में पूरी कर फेफ़डे मूँबई के मसीना अस्पताल भेजा गया। दक्षिण गुजरात से अब तक डोनेट लाइफ संस्था द्वारा 414 सिडनी, 176 लीवर, 8 पेंक्रियाज, 39 हृदय, 26 फेफ़डे और 318 कार्निया सहित कुल 981 अंगदान हुआ। वहीं टिशू की बात करें तो दो हाथ भी डोनेट किया जा चुके हैं। इससे अंग फेफ़ल के मरीजों को नई जिंदगी देने में सफलता मिली है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



हृदय, फेफड़े, किडनी और आँखों के दान से 7 को मिला नवजीवन

बीओटी संवाददाता

सूरत, 16 दिसम्बर

सूरत ने अंगदान के क्षेत्र में पूरे देश में अलग प्रतिष्ठा कायम की है। एक और अंगदान के साथ न केवल मानवता महकी है, बल्कि 7 व्यक्तियों को नया जीवन भी प्राप्त हुआ है।

मामला यूँ है कि, जिग्नेश पटेल नवसारी बाप्स स्वामीनारायण मंदिर में चालक के तौर पर नौकरी करते हैं वह पली आस्तिका के साथ बाईंक पर जा रहे थे, उस दौरान दुर्घटना में आस्तिका बहन इलाज के दौरान सभी जांच पड़ताल के बाद ब्रेनडेड घोषित की गई थी। समाचार पाकर डोनेट लाईफ संस्था द्वारा पटेल परिवार को समझाने पर वे अंगदान के लिए राजी हुए थे। उसके बाद हृदय, फेफड़े, किडनी और आँखों के दान से 7 लोगों को नया जीवन प्राप्त हुआ।

एक किडनी बोटाद में 32 वर्षीय महिला और दूसरी 25 वर्षीय मेहसाणा की महिला में ट्रांसप्लान्ट किया गया। लीवर 45 वर्षीय पालीताण के व्यक्ति और हृदय अमरेली की 17 वर्षीय छात्रा में ट्रांसप्लान्ट किया गया। वह कोरोना काल के दौरान संक्रमित होने के बाद हृदय की बीमारी से पीड़ित थी। फेफड़े का ट्रांसप्लान्ट मुम्बई की अधेड़ महिला में किया गया।

गुजरात में हृदय की 55वीं, फेफड़े की 17वीं घटना है। जबकि डोनेट लाईफ द्वारा 39 हृदय और 13 जोड़ी फेफड़े दान किये गए हैं। मौजूदा घटना में अंगों के दान को लेकर मुम्बई और अहमदाबाद के लिए ग्रीन कोरीडोर बनाया गया था। जिसमें अहमदाबाद का 277 किमी का अन्तर 100 मिनिट में और मुम्बई का 295 किमी का अन्तर 110 मिनिट में पार कर अंगों का ट्रांसप्लान्ट किया गया।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



ડોનેટ લાઇફ દ્વારા હૃદયના દાનની તુલની અને કેચુસાના દાનની તુલના

નવસારીની બ્રેઇનડેચ મહિલાના અંગદાનથી અન્ય સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન મળશે

સર્વે. પા. ૧૬

નવસારી હિલ્લાના જીવાલપોર
તાલુકાના ભીનાર ગામે રાજી
ફળિયામાં રહેતા છુંશેખાઈ
ગણપતાલાઈ પટેલ હાલ નવસારી
બીજોપાંદેસ મંદિરમાં શ્રીવિષન
તરીકે કરું ભાલે છે. છુંશેખાઈ
ગત તારીખ ૧૨ ઉસેખાના રોજ
૪૩ વર્ષીય પંચી આસ્તીક સાથે
મૌટરસાઈકલ ઉપર પોતાના ઘરે
ભીનાર થી તેમના સંભિનીને મળ્યા
નવસારી જાન હતા ત્યારે ભીનાર
નવમાની ગેડ કેલે

धीर उत्तरा सागर पासे
तेमनी पवी आसिना अकस्माते
मोटरसायकल परथी नीचे पडी जना
माथार्मा गंभीर हळालो व्याशी
बेबान थड गई ठनी तेने ताकाविक
नवसारीमां आवेल यशीन



लोकप्रीतवामां दाखल करी निदान भा-
इ उक्ते दं करावता थेण्ठन हमेसहें थोंगा
निदान थयुं हठु. त्यां प्रायमिक सारवाच
आया बाट वडु सारवाच म-
परिवारजनाने तेने मुख्यती खाली
लोकप्रीतवामां न्युरोजीलिंगन
सारवाच हेण्ठ दाखल करी सारवाच
शर करवामां आयी छती. ता. १

ତେ ଉପରେ କାହାର ନାମ ଲାଗିଥାଏ କିମ୍ବା
ଆମିତିକାରେ ଖେଳିଲେ କାହାର କରି ଧରି
ଆ ବାବାରେ ଛୋଟିପିଲାବା କଂଚିଲାକୋଟି
ଦୋନେ ଲାଈକନା ପ୍ରମୁଖ ନିବେଶମାନ
ମାଂଡିଲେବାଲାରେ ଜୀବ ଜୀବାମା ଅର୍ଥ
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

ପିଲାର୍ମିନ୍‌ଟିକ୍ ଏବଂ ଆଶ୍ଵାସ ଏମିଗ୍ରାନ୍ ହେଲୁଣ୍ଟ୍ ପାର୍ଟିକ୍ ଏବଂ କେବଳ ଆଧୁନିକ ଦେଖାନ୍ତିରେ

प्रियावली उत्तरानां सारापाद दृश्यमाला हृदयनु पवाणि ८८ द्वा कथं गेव द्वे
नवसारीना आस्तिकाभेन्तु हृदयनु दृश्यमाला अभरेवीनो रहेवासी १७
वर्षीयविद्यार्थीनीमा अमदावाद नी जानजी होस्टिलमां करवामां आव्यु
छे. आविद्यार्थीनी नों डोरोनानी बोध वष पाठी डोरोनाथ्या कतो अनेत्यार
पाठी तंतु हृदयनु पाठी यजुर्वल्तु. तेन हृदयनु परमीय १२३ यथं गेवु हृद्य-
त्यार एक महिलानी वीरो लालस्टोलमां सारवार ढाळा कली. क्योंके किसानु
दृश्यमाला तं भुजुं नी रहेवासी पद वर्षीय महिलामां मुंखर्ही मसीना
होस्टिलमां करवामां आव्यु छे. आ महिलाना इक्कुंसा कंडला (पल्मोनीरी
काई और्हिका) यथं ज्यान असेवे नेमेन संज्ञ वंश्या गीतीजहता अनेते
आटींवी शीर्घी वंश्या (अंग्रेजी स्पार्टो) हृदयरही.

अनेक विवर तथा बे क्षुधोनु दान लीपु
हन्. सोटो दारा विवर अनेक जेने डिडनी
अमदावादनी सरकारी छोस्पिटक्स ने
काणवामां आवी, ROTTO परिष्ठम
विभाग दारा फैक्झानी फालवाली
मुंबई नी मत्रीना छोस्पिटक्स ने करवामां
आवी हनी. दानमां मेजवामां आवेदी जेने
डिडनी पैकी जेड डिडनीनु

द्रान्स्प्लान्ट बोटादनी रहेवासी उर
वर्षीय महिलामां, बीज डिडनीनु
द्रान्स्प्लान्ट महेसालानी रहेवासी
२५ वर्षीय महिलामां ज्यारे विवरनु
द्रान्स्प्लान्ट पाचीलाज्ञाना रहेवासी
४५ वर्षीय व्यक्तिमां अमदावादनी
सरकारी छोस्पिटक्स दारा करवामां
आवी हनी.

બ્રેનડેડ મહિલાના અવયવોથી 7 લોકોને નવજુવન

માર્ગ વિદ્યાર્થી મંજુલી

અંગદાન કરવાની પ્રવૃત્તિમાં જાગૃતિ
આવી રહી છે અને સામાન્ય
પચિવારના લોકો પણ બેઠાડેનાની
સ્થિતિમાં માનવી અવયવો હોનેટ કરી



295 ક્રમાનું આસ્તિકા પટેલ
અન્તર કરી
110 મિનિયમાં આન કોરિડોર અને
ચાર્ટર્ડ ક્લાઈન્ટ્સ થકી કાપીને મુખ્યની
રહેવાથી 56 વર્ષથી મહિયાથી
કેસાનું ટ્રાન્સફરાન્ડ કરવામાં
આવ્યું હતું.

43 વર્ષની આસ્તિકા જીવેશભાઈ



પટેલના પરિવારે સુરતના ગેનેરેશન
લાઈફના માધ્યમથી તેના હૃદય,
કેંદ્રાં, ડિગ્ની, ખિંચત અને ચુંબોનું
દાન કરી સત્ત જરૂર નવજીવન ભરી,
માનવતાની મહેક કેલાવી સમજાને
નવી દિલા બતાવી હતી.

અગદાન કર્યાવાના સમગ્ર
પ્રક્રિયાના સ્ટેટ એડવાઈઝરી
કમિટી ફોર ઓર્ગન અને ટિસ્યુ
ડ્રોનસલાન્ચશનના કમિટી મેળવ અને
ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક પ્રમુખ નિલેય

માર્ગદરવાળાના જીણાચા અનુસૂધા
કેફસાનું ટ્રાન્સલાઈટ મંબાઈન
રેવાસી પથ વિધી મહિલામાં મરીના
ડોયિટલાં કરવામાં આયું છે. એ
મહિલાના કેફસા કઠા (પલોન
શાઈઓક્સિસ) થઈ જવાને કારોં તે
એ હોયાને કારોં હોયાને હોયાને

અનુસ્તાજ લગ્સ ઇલેક્ટ હતા અનુ
કૃતિમ ફેક્સાં (એકમો સપોર્ટ) ઉપ
હતી. મુખ્યાઈથી નજીક ગુજરાતન
નવસારી જીવલાના બીનાર ગા.
રહેતા અને નવસારી બીજેપાંચે

અલગ અલગ જગ્યારે એ અવયવદાન

આસિતકાના પરિવારે ભાગેપીઓએ સ્વામીનાનાયથા સંસ્થાના વડ પ. પુરુષ મહંતસ્વામી મહારાજાના આશીર્વાદ અને પ્રેરણાથી અંગ હોનેશાળનો નિષ્ઠાય લાખો હતો. તેમનો પુન વંદન પોરાણ-૧૦ માં અભ્યાસ કરે છે. આસિતકાનું હથયાનું ટ્રાન્સલાન્ડ અમરેલીની 17 વર્ષાય વિદ્યાર્થીનીમાં, બંને કિંની પેરી એક કિંનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બોટાણી 32 વર્ષાય મહિલામાં, બીજી કિંનીનું ટ્રાન્સલાન્ડ મહેસૂસાણી 25 વર્ષાય મહિલામાં, લિયરનું ટ્રાન્સલાન્ડ પાલીતાણાના 45 વર્ષાય ઉત્તેજાનું કરાવવામાં આવ્યું હતું.

સામનારાયણ મહિરમાં પ્રથમ તરીકે ફરજ ભાગવતા છુટ્ટોબાઈ પટેલ 12 કિલોમીટર્ઝ પાલી આસ્તિકાની સાથે મોટરસાઇકલ ઉપર પોતાના ધોંઘે ભીનારથી તેમના સંખ્યાને મળવાન નવસારી જતા હતા તાંદે ભીનારના નવસારી રોડ રેલવે લિફ્ટ તિતરત સાગર પાસે તેમની પણી આસ્તિકા અક્ષમાતે મોટરસાઇકલ પરથી નીચેની પરી જતા માથામાં ગંભીર ઈંજાઓ થયાથી બેબાન વઠ ગઈ હતી. તેને

तात्त्विक नवसारीमा यशकीन
होस्पिटबामा धाखल करी निधान माटे
सिटी स्कैन करावता थ्रेईन हेमरेज
थोवानु निधान यथु छुट्टे अे पाँची 14
डिसेम्बरे आठौयेसेस होस्पिटलाना
प्रेक्टरोजे आसिनिका पटेलने थोऱडेका
आडेर करता नेट लाईक्ना ठीके
होस्पिटल पहांची आसिनिका
परिवारज्ञोने अंगदाननु
मध्यत अने तेनी समग्र प्रक्रिया
समझाउ छती।



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



કોળી પટેલ સમાજની બ્રેઇન ડેડ મહિલાનાં અંગદાનથી સત્તા વ્યક્તિનોને નવજીવન મળ્યું હતું.

કોળી પટેલ સમાજની મહિલાના હૃદય, અંગોના દાનથી ઉને નવજીવન

નવસારીના જલાલપોરની મહિલાનું હૃદય અમરેલીની વિદ્યાર્થીમાં ધબકૃતું કરાયું

(પ્રતિનિધિ દાચ) સુરત, ગુરવાર નવસારીમાં અક્ષમાત થયા બાદ જલાલપોર તાલુકાની કોળી પટેલ સમાજની બ્રેઇન ડેડ મહિલાના પરિવારે હૃદય, ફેક્સાં, કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરી સત્તા વ્યક્તિનોને નવજીવન બસીને માનવતાની મહેક ફેલાવી છે. મહિલાનું હૃદય અમરેલીની ૧૭ વર્ષની વિદ્યાર્થીમાં ધબકૃતું કરાયું છે ત્યારે ફેક્સા મુંબઈની મહિલાને દ્રાન્સપલાન્ટ કરાયા છે.

નવસારીના જલાલપોર તાલુકાના ભીનારગામમાં રાજ્યપૂર ફિલીયામા રહેતા અને નવસારીની ખાનગી હોસ્પિટલમાં ડ્રાઇવર તરીકે ૬૨૭ બજાવતા ૪૩ વર્ષીય જીવેશભાઈ ગણપતમાઈ પટેલ તા. ૧૨ ડિસેમ્બરે પત્ની આસ્ટિકા (૩.૧૨-૪૩) સાથે મોટરસાઈકલ ઉપર સંબંધીને મળવા નવસારી જાતા હતા ત્યારે ભીનાર પાસે અક્ષમાતે આસ્ટિકાને પડી જતા

માથામાં ગંભીર ઠણ થઈ હતી. બ્રેઇન ડેમરેજનું નિરાન થયા બાદ તેમને સુરતની હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. જ્યાં તા. ૧૪મીએ બ્રેઇનડેડ જાહેર કરાયા હતા.

આ અંગે ડેનેટ લાઈફની ટીમને જ્ઞાન થતા હોસ્પિટલ પહોંચી આસ્ટિકાનેના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ ગજરતમાંથી હૃદય દાનની
પપમીઅનેફેક્સાના
દાનની ૧૭મી ઘટના

હતી. જ્યારે કેવી મુંબઈની પદ વોલ્ફ મહિલાને ટ્રાન્સપલાન્ટ કરાયા છે. મહિલાના ફેક્ટા કટ્ટા (પલ્બોનરી શાર્ઝબોસિસ) થઈ જતા એન્ડ સ્ટેઝ લંગ્ઝ ડિસોજ હતો અને કુન્નિમ ફેક્સા પર હતી. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બંને કિડની પેદી એક બોટાદમા રહેતા તર વર્ષીય મહિલામાં અને બીજી કિડનીનું મહેસાંખાની ૨૫ વર્ષીય મહિલામાં ત્થા વિવરનું પાલીતાણાના રહેતા ૪૫ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપલાન્ટ કરાયું હતું. ચક્કાઓનું દાન સુરતની લોકડાયી ચક્કાઓને સ્વીકાર્યું હતું. આસ્ટિકાનો પુત્ર વંદન નવસારીની શાળામાં થોરણ-૧૦ માં અભ્યાસ કરે છે. ગુજરાતમાંથી હૃદયદાનની આ પંચાવની અને ફેક્સાના દાનની સત્તારમી ઘટના છે. જેમાં સુરતમાંથી ગોડ ફેક્સા દાન કરાવવામાં આવ્યા છે.

અક્ષમાત બાદ ભીનાર ગામના ૪૩ વર્ષના બ્રેઇન ડેડ આસ્ટિકાને પટેલના ફેક્સા મુંબઈની મહિલાને ટ્રાન્સપલાન્ટ કરાયા

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



નવસારી ભીનારની કોળી પટેલ સમાજની બેઈનડેડ મહિલા થકી સાતને નવજીવન

| સુરત |

કોળી પટેલ સમાજની બેઈનડેડ મહિલાના હદ્ય, ફેફસા, કિડની, લિવર અને બંને ચયુનાં દાનથી સાત વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. જેની સાથે ટેક્સ્ટાઇલ અને ડાયમંડ સિટી તરીકે ઓળખાતા સુરતમાંથી ઉઠ્યી વખત હદ્ય અને ૧૫મી વખત ફેફસાનું દાન થયું છે.

નવસારી, જલાલપોરના ભીનાર ગામમાં આવેલા રાજ્યૂત ફળિયામાં રહેતા અને નવસારી બાપ્સ મંદિરમાં ડ્રાઇવર તરીકે નોકરી કરતા જિશેશભાઈ પટેલને અકસ્માત નડતાં તેમને ગંભીર ઈજા પહોંચી હતી. તેમાં ૧૨મી ડિસેમ્બર તેઓ પત્ની આસ્ટિકાબેન (૩.૧.૪૩)ની સાથે બાઈક પર પોતના ગામથી સંબંધીને મળવા નવસારી જઈ રહ્યા હતા ત્યારે ભીનાર નવસારી રોડ રેલવે બિજ ઉત્તરતા સાગડા પાસે આસ્ટિકાબેન અકસ્માતે બાઈક પરથી નીચે પડી જતા માથામાં ગંભીર ઈજા થયા બાદ બેભાન થઈ ગયા હતા. જેને પગલે અસ્ટિકાબેનને નવસારી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરી સીટી સ્કેન સહિતની તપાસ કરાવી હતી. જેમાં તેમને બેઈન હેમરેજ થયું હોવાની ખબર



કોરોના થતાં અમરેલીની વિદ્યાર્થીનું હદ્ય નબળું પડી ગયું હતું

ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, દાનમાં મળેલી બંને કિડની પૈકી એક કિડની બોટાદની તર વર્ષીય મહિલામાં અને બીજુ કિડની મહેસાણાની રૂપ વર્ષીય મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ હતી. લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ પાલિતાણાના ૪૫ વર્ષીય આધેડમાં અમદાવાદની IKDRC કરાયું હતું. જ્યારે હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમરેલીની ૧૭ વર્ષીય વિદ્યાર્થીનીમાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું. આ વિદ્યાર્થીને કોરોનાની બીજુ વેવ પછી કોરોના થયો હતો. ત્યારબાદ તેણીનું હદ્ય નબળું પડી ગયું હતું. તેના હદ્યનું પમ્પિંગ રૂપી ૧૨% થઈ ગયું હતું. ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈની પદ્ધ વર્ષીય મહિલામાં મુંબઈની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે.

પડી હતી. ત્યારબાદ તેમને વધુ સારવાર માટે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. જ્યાં ગત તા. ૧૪મીએ તથીબોની ટીમે બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. જેની જાણ ડોનેટ લાઈફની ટીમને

થતાં તેઓએ હોસ્પિટલમાં આવી આસ્ટિકાબેનના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું અને પરિવારની સંમતિ બાદ અસ્ટિકાબેનનાં અંગોનું દાન કરાયું હતું.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

નવસારી કોળી પરિવારના બ્રેઇનડેડ અસ્થિકાબેનનાં અંગદાનથી ઉને નવજીવન

સુરત તા. ૧૬

સુરતે અંગદાન કેન્દ્રે સમગ્ર દેશમાં આગામી પ્રતિબાન મેળવી છે. સુરતથી વધુ એક અંગદાનની ઘટનાએ લોકજાળું વધી રહી હોવાનું પ્રતિપાદિત રહ્યું છે. તા. ૧૪માં ડિસેમ્બરે નવસારીના ભીનાર ગામના કોળી પેટેલ પરિવારે બ્રેઇનડેડ સ્વજન અસ્થિકાબેનના હદ્દ્ય, કેફસા, ડિડની, લિવર અને

ઉપર પટકાતા તેઓ માથામાં ગંભીર ઈજાઓના કારણે બેભાન થઈ ગયાં હતાં. જેમને તાત્કાલિક નવસારીમાં પણીન હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતા, જ્યાં CT સેન કર્યાના બ્રેઇન દ્વારાને નવજીવન મળતું હોય તો હેમરેજ થયું હોવાનું નિરાન થયું હતું. તાં પ્રાથમિક સારવાર આચા બાદ વધુ સારવાર માટે પરિવારજનોએ તેને સુરતની INS હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે દાખલ કર્યા કુમાર અને તેમની ટીમે લિવર

કોઈને મદદ કરવાં માટે ધાન કરવાની અમારી ક્ષમતા નથી. આજે જ્યારે મારી પણી બ્રેઇનડેડ છે, ત્યારે તેના અંગોના ધાન કરવીને ઓર્ગન નિફળતાના દ્વારાને નવજીવન મળતું હોય તો અંગદાન થી મોટું ધાન બીજુ શું હોઈ શકે?

પરિવારે અનુમતિ આપતાં અમદાવાદની IKDRCના ડૉ. સુરતશ

રૂપ વર્ષિય બડિતાનું અમદાવાદની IKDRC હોસ્પિટલમાં કરાયું છે. હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમરેલીના ૧૭ વર્ષિય વિદ્યાર્થીનીમાં અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલમાં કરાયું છે. આ વિદ્યાર્થીની કોરોના સક્રિયતા તેનું હદ્ય નથીનું પરી જતાં હદ્યનું પર્ફોર્માં ૧૨% થઈ ગયું હતું. હેલ્પા એક મહિનાથી તે હોસ્પિટલમાં દાખલ હતી. કેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈના



ચંદુઓનું ધાન કરી સાત બડિતાને નવજીવન બધું છે.

નવસારીના ભીનાર ગામના રહીશ અને નવસારી BAPS સ્વામિનારાયણ મંદિરમાં પ્રાઇવર તરીકે ફરજ બજાવતા જિલ્લેશ પેટેલ તેમના ધર્મપત્રીના આસ્થિકાબેન સાથે બાઈક ઉપર સવાર થઈને સંબંધીને મળવા નવસારી જતા હતા, ત્યારે ભીનાર નવસારી રેડ રેલોબ્રિજ ઉત્તરતા આસ્થિકાબેન અક્ષમાતે મોટરસાયકલ પરથી નીચે પરી ગયાં હતાં. રેડ

અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ૨૭૭ કિ.મીનું અંતર ૧૦૦ મિનિટમાં કાપીને હદ્યનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમરેલીની ૧૭ વર્ષિય વિદ્યાર્થીનીમાં અને કેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈની મહિલામાં કરાયું

અને.

સ. ૧.૨.૧.૧

દરમિયાન રિકવરીની કોઈ આશા ન જાણતાં ન્યૂરોસર્જન ડૉ. અશોક પેટેલ, ન્યુરોકિકલિશિયન ડૉ. મારોજ સત્યવાહી, ઈન્ટેન્સિવીઝ ડૉ. અંદેત ગજજર અને આર. ઓમ. ઓ. ડૉ. અન્ધ્રય હજારીએ આસ્થિકાબેનને બ્રેઇનડેડ જોહેર કર્યાં. ડેનેટ લાઈફ સંસ્થાને પેટેલ પરિવારને સ્વજનના અંગદાન માટે સમજાપતાં સૌથે સંમતિ આપી હતી. સ્વ. આસ્થિકાબેનના જિલ્લેશભાઈને જજાયું હતું કે, અમે સામાન્ય પરિવારમાંથી આવીએ છીએ.

અને કિડનું, અમદાવાદની સિમ્સ હોસ્પિટલના ડૉ. ધવલ નાયક અને તેમની ટીમે હદ્યનું તથા મુંબઈની મરીના હોસ્પિટલના ડૉ. અમઝદ શેખ અને તેમની ટીમે આવી કેફસાનું ધાન સ્વીકાર્ય. ચંદુઓનું ધાન બોક્સાની ચંદુંકના ડૉ. પ્રકુલ શિરોયાંગે સ્વીકાર્ય.

સ્વ. આસ્થિકાબેનની બંને કિડની પેકી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બોટાદના ઉર વર્ષિય મહિલામાં હતી. અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહેસાણાના ૨૫ વર્ષિય મહિલા કરાયું છે. લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ પાલિતાણાના

પદ વર્ષિય મહિલામાં મુંબઈની મરીના હોસ્પિટલમાં કરાયું છે. આ મહિલાના કેફસા કઠાણ (પલ્યોનરી ફાઈબ્રોસિસ) થઈ જવાને કારણે તેને એન્ડ સેજ લંગ્સ તિસીઝ હતો, અને તે આર્ટીફિશીયલ લંગ્સ (ECMO સપોર્ટ) ઉપર હતી. હદ્ય, કેફસા, ડિડની અને લિવર સમયસર અમદાવાદ અને મુંબઈ પદ્યોચાડવા નાણ શીન કોરિડોર બનાવી સુરત શહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ પોલીસના ઉમદા સહકારથી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે પદ્યોચાડવામાં આવ્યા હતાં.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



નવસારીના બેદનડેડ સ્વજન આસ્ટ્રિકાબહેનના હૃદય, ફેફસા, કિડની, લિવર અને ચક્કુઓનું દાન

હૃદયદાનની 39મી ઘટના : અક્સમાતે બેદનડેડ મહિલાનું હૃદય હવે અમરેલીના યુવકમાં ધખકુશે

મૃતક મહિલા પતિ સાથે
સંબંધીના ઘરે જતી હતી
ત્યારે અક્સમાત થયો
હતો, મહિલાના ફેફસાનાંને
મુંબઇની અન્ય મહિલામાં
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયાં

સુરત : ડેનેટ લાઈફના માથ્યમથી
સુરત શહેરમાં હૃદયદાનની 39 ઘટના
બની હતી. નવસારીમાં રહેતી એક
મહિલાનું અક્સમાતે મોત થતા તેનું
હૃદય અમરેલીના યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
કરાયું હતું જ્યારે ફેફસાને મુંબઇમાં
દાખલ એક મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
કરવામાં આવ્યા હતા.

નવસારી જિલ્લાના જલાલપોર
તાલુકાના ભીનાર ગામમાં રાજ્યુત
ફળિયામાં રહેતા જીજેશભાઈ
પટેલ નવસારીમાં આવેલા બાસુસ
સ્વામીનારાયણ મહિરમાં ગ્રાઇવર

અંગદાન એક ઈશ્વરીય કાર્ય છે : જિજોશભાઈ

મૃતક અસ્ટ્રિકાબેનના પતિ જીજેશભાઈએ કલ્યું હતું કે, અમે સામાન્ય
પરિવારના છીએ. જુવનમાં અમે કોઈ રીજવસ્તુનું દાન કરી શકીએ તેમ નથી
આજે જ્યારે મારી પણી આસ્ટ્રિકા બેદનડેડ છે, ત્યારે તેના અંગોના દાન
કરાવીને ઓર્ગન નિષ્ઠળતાના દર્દીઓને નવજીવન આપવા એક હાથો બનીશું.

તરીકે કામ કરતા હતા. તા. 12મી ડિસેમ્બર-2022ના રોજ જીજેશભાઈ
પત્ની અસ્ટ્રિકાબેન (3.9.43)ની
સાથે મોટરસાઈકલ ઉપર સંબંધીના
ઘરે જઈ રહ્યા હતા. આ દરમિયાન
ભીનાર-નવસારી રોડ ઉપર ખ્રિજ
ઉત્તરતા જ અક્સમાત થયો હતો. આ
અક્સમાતમાં અસ્ટ્રિકાબેનને માથામાં
ગંભીર ઈજાઓ થઈ હતી. નવસારીમાં
પ્રાથમિક સારવાર બાદ તેઓને
સુરતની પ્રાઈવેટ હોસ્પિટલમાં
લાવવામાં આવ્યા હતા. જ્યાં સારવાર
દરમિયાન અસ્ટ્રિકાબેનનું મોત
નીપણ્ણું હતું, ડોક્ટરોએ અસ્ટ્રિકાબેનને
બેદનડેડ જાહેર કર્યા હતા. આ અંગે

સુરત ડોનેટ લાઈફનો સંપર્કકરવામાં
આવ્યો હતો અને ડોનેટ લાઈફ દ્વારા
મૃતક અસ્ટ્રિકાબેનના પરિવારને
સમજ આપીને અંગદાન કરવા
માછિતગાર કર્યા હતા. અસ્ટ્રિકાબેનના
પરિવારજનોએ સંમતિ આપ્યા
બાદ તેઓના હૃદયને અમરેલીના
વતની અને હાલમાં અમદાવાદની
હોસ્પિટલમાં સારવાર લઈ રહેલા 17
વર્ષિય યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં
આવ્યું હતું, જ્યારે અસ્ટ્રિકાબેનના
ફેફસાને મુંબઇની હોસ્પિટલમાં
દાખલ એક મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
કરાયું હતું. આ સાથે હૃદયદાનની આ
સુરતની 39મી ઘટના છે.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



નવસારીના ભીનાર ગામના પરિવાર દ્વારા

બ્રેઇન ડેડ આસ્ટિકાબહેનના અંગોનું દાન કરી સાત વ્યક્તિને નવજીવન આપ્યું

સુરતમાંથી હૃદયના દાનની
ઉદ્ધમી અને ફેફસાના
દાનની ૧૩મી ઘટના

સુરત, તા. ૧૬: સુરતે
અંગદાન કેને સમય દેશમાં
આગવી પ્રતિષ્ઠા મેળવી છે.
સુરતથી વધુ એક અંગદાનની
ઘટનાએ લોકાગૃહી વધી રહી
હોવાનું પ્રતિપાદિત કર્યું છે.
તા. ૧૪મી ડિસેમ્બરે નવસારીના
ભીનાર ગામના કોળી પટેલ
પરિવારે બ્રેઇનડેડ સ્વજન
અસ્ટિકાબહેનના હૃદય, ફેફસા,
કિડની, લિવર અને ચયુઓનું દાન
કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન
અપ્યું છે.

નવસારીના ભીનાર ગામના
રહીશ અને નવસારી બીએપીએસ
સ્વામીનારાયણ મંડિરમાં પ્રાઇવેટ
તરીકે ફરજ વજાવતા જિલ્લેશભાઈ
પટેલ તેમના પણી આસ્ટિકાબેન
સાથે બાછક ઉપર સવાર થઈને
સંબંધીને મળવા નવસારી જતા
હતા ત્યારે ભીનાર નવસારી રોડ
રેલવેલિફ ઉત્તરા આસ્ટિકાબેન
અકસ્માતે મોટરસાઇકલ પરથી
નીચે પડી ગયા હતા. રોડ પર
પટકાતા તેઓ માથામાં ગંભીર



બ્રેઇન ડેડ આસ્ટિકાબહેન સાથે તેમનો પરિવાર અને ડેક્ટરો.

ઈજાગોનાં કારણે બેભાન થઈ ગયા હતા. તેમને સારવાર દરમિયાન રિકવરીની કોઈ આશા ન જણાતા આસ્ટિકાબેનને બ્રેનડેડ આહેર કર્યા. ડેનેટ લાઇફ સંસ્થાએ
પટેલ પરિવારને સ્વજનના અંગદાન માટે સમજાવતા સૌંદર્ય
સમંતિ આપી હતી.

પરિવારે અનુમતિ આપતા
સ્વ.આસ્ટિકાબેનની બંને ડિઝની
પેરી એક ડિઝનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
બોટાદના ઉર વર્ષીય મહિલામાં
અને બીજી ડિઝનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
મહેસાણાના ૨૫ વર્ષીય
મહિલામાં કરાયું છે. લિવરનું
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ પાલિતાણાના ૪૫
વર્ષીય વ્યક્તિનું અમદાવાદની

હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમરેલીના
૧૭ વર્ષીય વિવાધિનીમાં કરાયું
છે. આ વિવાધિની કોરોના
સંક્રમિત થતા તેનું હૃદય નથીનું
પરી જતાં હૃદયનું પમ્પિંગ ૧૨%
થઈ ગયું હતું. છેલ્લા એક
મહિનાથી તે હોસ્પિટલમાં દાખલ
હતી. ડેનેટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
મુંબઈની ૫૬ વર્ષીય મહિલામાં
કરાયું છે. આ મહિલાનાં ફેફસા
કઠણ (પભોનરી કાણખોચિસ) થઈ જવાને કારણે તેને એન્ડ સ્ટેઝ
લંગ્સ ડિસીઝ હતો અને તે
આઈકિશિપ્પલ લંગ્સ (ECMO
સપોર્ટ) ઉપર હતી.

હૃદય, ફેફસા, કિડની અને
લિવર સમયસર અમદાવાદ અને

મુંબઈ પહોંચાડવા નણ શ્રીન
કોરિડોર બનાવી સુરત શહેર
પોલીસ તેમજ રાજ્યના વિવિધ
શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસના
ઓદા સહકારથી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે
પહોંચાડવામાં આવ્યા હતા.

ગુજરાતમાં હૃદયદાનની
પદ્ધતિ અને ફેફસાના દાનની
૧૩મી ઘટના છે. સુરતની ડેનેટ
લાઇફ દ્વારા ૩૮ હૃદય અને ૧૩
જોડ ફેફસા દાન કરાવવામાં
આવ્યા છે. આ સમય દરમિયાન
૫૪ ડિઝની, ૩૧, લિવર, ૧૩
હૃદય, ૨૨ ફેફસાં, ૧ પેન્કીઓસ
અને ૫૪ ચયુઓ સહિત ૧૭૫
અંગ અને ટિસ્યુઓ તેમજ બે
હાથના દાન મેળવી દેશ અને
વિદેશના કુલ ૧૬૦ ઓર્ગન
નિષ્કળતાના દર્દીઓને નવું
જીવન આપવામાં સકળતા મળી
છે. સુરત અને દાખિણ
ગુજરાતમાંથી ડેનેટ લાઇફ દ્વારા
૪૧૪ ડિઝની, ૧૭૬ લિવર, ૮
પેન્કીઓસ, ૩૮ હૃદય, ૨૬
ફેફસાં અને ૩૧૮ ચયુઓ સહિત
કુલ ૮૮૧ અંગો અને ટીસ્યુઓ
તેમજ બે હાથનું દાન મેળવીને
૧૮૮ વ્યક્તિને નવું જીવન અને
નવી દાય્યા બસવામાં સકળતા
મળી છે.



બ્રેઇનડેડ દર્દીનાં અવયવદાનથી સાત વ્યક્તિને નવજીવન

સુરતમાં હૃદયના દાનની ૩૮મી અને ફેફસાંના દાનની ૧૩મી ઘટના।

અમારા પ્રતિનિધિ તરફથી

સુરત, તા. ૧૭ : સુરતે અંગદાન કેતે સમગ્ર દેશમાં આગવી પ્રતિષ્ઠા મેળવી છે. સુરતથી વધુ એક અંગદાનની ઘટનાએ લોકજાગૃતિ વધી રહી હોવાનું પ્રતિપાદિત કર્યું છે. તા. ૧૪મી ડિસેમ્બરે નવસારીના ભીનાર ગામના કોળી પટેલ પરિવારે બે ઈનડે સ્વજ ન આસ્તિકાબહેનના હૃદય, ફેફસાં, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન બધ્યું છે.

નવસારીના ભીનાર ગામના રહીશ અને નવસારી બીએપીએસ સ્વામિનારાયણ મંદિરમાં ડ્રાઈવર તરીકે ફરજ બજાવતા જિઝેશભાઈ પટેલ તેમનાં ધર્મપત્ની આસ્તિકાબેન સાથે બાઈક ઉપર સવાર થઈને સંબંધીને મળવા નવસારી જતા હતા, ત્યારે ભીનાર નવસારી રોડ રેલવે બ્રિજ ઉત્તરતા આસ્તિકાબેન અક્સમાતે મોટરસાઈકલ પરથી નીચે પડી ગયાં હતાં. રોડ પર પટકાતાં તેઓ માથામાં ગંભીર ઈજાઓના કારણે બેભાન થછ ગયાં હતાં. તેમને સારવાર દરમિયાન રિકવરીની કોઈ આશા ન જણાતાં આસ્તિકાબેનને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યા. ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાએ પટેલ પરિવારને સ્વજનના અંગદાન માટે સમજાવતાં સૌઅં સંમતિ આપી હતી.

પરિવારે અનુમતિ આપતાં સ્વ. આસ્તિકાબેનની બંને કિડની પૈકી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બોટાદના તરફ વર્ષિય મહિલામાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મહેસાણાના રૂપ વર્ષિય મહિલાને કરાયું છે. લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ પાલિતાણાના રૂપ વર્ષિય વ્યક્તિમાં અને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમરેલીના જી વર્ષિય



વિદ્યાર્થીનીઓ કરાયું છે. આ વિદ્યાર્થીની કોરોના સંકષિત થતાં તેનું હૃદય નબળું પડી જતાં હૃદયનું પખ્યિંગ ૧૨% થઈ ગયું હતું. છેલ્લા એક મહિનાથી તે હોસ્પિટલમાં દાખલ હતી. ફેફસાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈની પદ વર્ષિય મહિલામાં કરાયું છે. આ

મહિલાના ફેફસાં કઠણા (પલ્બોનરી ફાઈબ્રોસિસ) થઈ જવાને કારણે તેને એન્ડ સ્ટેજ લંગ્સ ડિસીઝ હતો અને તે આર્ટિફિશીયલ લંગ્સ ઉપર હતી.

હૃદય, ફેફસાં, કિડની અને લિવર સમયસર અમદાવાદ અને મુંબઈ પહોંચાડવા ત્રણ ગ્રીન કોરિડોર બનાવી સુરત શહેર પોલીસ તેમ જ રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસના ઉમદા સહકારથી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે પહોંચાડવામાં આવ્યાં હતાં.

ગુજરાતમાં હૃદયદાનની પપમી અને ફેફસાંના દાનની ૧૭મી ઘટના છે. સુરતની ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૩૮ હૃદય અને ૧૩ જોડ ફેફસાં દાન કરાવવામાં આવ્યા છે. આ સમય દરમિયાન ૫૪ કિડની, ૩૧ લિવર, ૧૩ હૃદય, ૨૨ ફેફસાં, ૧ પેન્ઝીઆસ અને ૫૪ ચક્ષુઓ સહિત ૧૭૫ અંગો અને ટીસ્યુઓ તેમ જ બે હાથના દાન મેળવી દેશ અને વિદેશના કુલ ૧૬૦ ઓર્ગન નિષ્ણળતાના દર્દીઓને નવું જીવન આપવામાં સફળતા મળી છે. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૪૧૪ કિડની, ૧૭૬ લિવર, ૮ પેન્ઝીઆસ, ૩૮ હૃદય, ૨૬ ફેફસાં અને ૩૧૮ ચક્ષુઓ સહિત કુલ ૮૮૧ અંગો અને ટીસ્યુઓ તેમજ બે હાથનું દાન મેળવીને ૮૮૮ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી દસ્તિ બન્ધવામાં સફળતા મળી છે.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 15th December, 2021

414
KIDNEY
176
LIVER
8
PANCREAS
39
HEART
26
LUNGS
318
CORNEA
2
Hand

DONATE LIFETM
an initiative for organ donation

Total 981 Organs & Tissues donated which has given
New Life & Vision to 898 persons across Country & Globe.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."